ARMY PUBLIC SCHOOL AHMEDABAD CANTT- 2020-21
Worksheet-1(READING)

Class- 6 th Subject- HINDI Date –APRIL 20

TEACHERS NAME- KANTILAL SIR

प्रश्न- २ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प लिखिए ।

हमारे देश के त्योहार चाहे धार्मिक दृष्टि से मनाये जा रहे हैं या नए वर्ष के आगमन के रूप में फसल की कटाई एवं खलिहानों के भरने की ख़ुशी में हो या महापुरुषों की याद में सभी अपनी विशेषताओं एवं क्षेत्रीय प्रभाव से युक्त होने के साथ ही देश की राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करते हैं | ये त्योहार जहाँ जनमानस में उल्लास, उमंग और खुशहाली भर देते हैं, वही हमारे अन्दर देश-भक्ति और गौरव की भावना के साथ-साथ, विश्व-बंधुत्व की भावना भी बढ़ाते हैं | इनके द्वारा महापुरुषों के उपदेश हमें बार-बार इस बात की याद दिलाते है कि सद्विचार और सदभावना द्वारा ही हम प्रगति की ओर बढ़ सकते है | इन त्योहारों के माध्यम से हमें यह भी शिक्षा मिलती है कि वास्तव में सभी धर्मों का मूल लक्ष्य एक ही है,

प्रश्न-

(१) त्योहार किससे प्रभावित होते हैं ?

(क) देश की प्रगति के प्रभाव से (ख) धार्मिक दृष्टि के प्रभाव से

(ग) क्षेत्रीय प्रभाव से (घ) जनमानस के प्रभाव से

(२) त्योहारों से हमें क्या लाभ है ?

(क) महापुरुषों की याद दिलाते हैं (ख) एकता और अखंडता मजबूत करते हैं

(ग) गौरव बढ़ाते हैं (घ) साम्प्रदायिकता को बढ़ाते हैं

(३) हम उन्नति की ओर किस प्रकार बढ़ सकते है ?

(क) सद्विचारों से (ख) सद्विचार और सदभावना से

(ग) देश की अखंडता से (घ) महापुरुषों के उपदेश से

(४) त्योहारों के माध्यम से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?

(क) धर्मों का मूल लक्ष्य एक है (ख) ईश्वर प्राप्ति के तरीकें अलग है

(ग) अपने-अपने धर्म पर चलना चाहिए (घ) देश-भक्ति और देश के गौरव की

(५) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है :

(क) धर्म का मार्ग (ख) देश-भक्ति

(ग) त्योहारों का महत्त्व (घ) हमारा देश

प्रश्न- १ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

भारत में स्वामी विवेकानंद ने समाज में व्याप्त असमानता और जाति-प्रथा पर तीखे प्रहार किए | असमानता और जाति-प्रथा को स्वामी जी भारत की प्रगति में सबसे बड़ी बाधा मानते है | उनकी स्पष्ट मान्यता थी कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति यहाँ का धार्मिक जीवन है | जब तक इस धार्मिक जीवन को स्वच्छ और उन्नत नहीं बनाया जाता, तब तक राजनीति या सामाजिक सुधार की बातें व्यर्थ रहेगी | उच्च आध्यात्मिक आदर्शों की स्थापना के लिए स्वामी जी ने मई सन - १८९७ में 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की |

प्रश्न-

(१) भारत में सवामी विवेकानंद ने किस बात पर तीखे प्रहार किए ?

.....
.....
.....

(२) स्वामी जी की क्या मान्यता थी ?

.....
.....
.....

(३) 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना कब और क्यों की ?

.....
.....
.....

(४) 'स्वामी' शब्द का विलोम शब्द लिखिए ।

.....
.....
.....

(५) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

.....